दुनिया के दुर्लभ फूल

स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस

हल्के हरे रंग का स्ट्रोंगिलोडोन मैक्रोबोट्रिस एक तरह की लता है। पंजे के आकार वाले इसके फूल फिरोजी रंग के होते हैं। हालांकि इसका रंग नीले हरे से लेकर चटक हरे तक भी हो सकता है। ये फूल फिलीपींस के जंगलों में पाए जाते हैं और कटाई के कारण खतरे में हैं।

हिबिस्कस कोकियो

शू फ्लॉवर की ये प्रजाति, सिर्फ हवाई में मिलती है। 1950 में इसे विलुप्त घोषित कर दिया गया था। 20 साल बाद कोकियो का एक पेड़ मिला। लाल से नारंगी रंग के फूलों वाला ये पौधा एक आगजनी में खत्म हो जाता, लेकिन इसकी एक डाली बचा ली गई और इसे 23 अन्य पौधों में ग्राफ्ट किया गया।

एमोर्फोफैलस टाइटेनम

दुनिया का सबसे खूबसूरत और सबसे दुर्लभ यह फूल इंडोनेशिया में पाया जाता है। एक हफ्ते तक खिलने वाला यह फूल सड़े हुए जानवर जैसी बदबू फैलाता है। खिलने के बाद इसकी ऊंचाई तीन मीटर तक हो सकती है। सात आठ साल बाद यह फूल पहली बार खिलता है।

एपिफाइलम ऑक्सीपेटालम

ये फूल श्रीलंका के जंगलों में होता है और बौद्ध धर्म में इसका खासा महत्व है। इस फूल की खासियत है कि यह सिर्फ रात में खिलता है और सुबह होने से पहले ही मुरझा जाता है।

डेंड्रोफिलैक्स लिंडेनी

क्यूबा और फ्लोरिडा के जंगलों में पाए जाने वाले इस फूल को भूतहा ऑर्किड का नाम दिया गया है। इसे 20 साल पहले ही विलुप्त घोषित कर दिया गया था। इसमें पत्तियां नहीं होती। इसकी जड़ें प्रकाश संश्लेषण कर फूल को पोषण देती हैं। इस फूल का परागण सिर्फ जायंट स्फिंक्स नाम की तितली कर सकती है।

साइप्रिपेडियम कैलकेलस

कभी ये जंगली ऑर्किड पूरे यूरोप में मिलता था। लेकिन अब यह सिर्फ ब्रिटेन में होता है। पीले और जामुनी से रंग वाला ये फूल अब इतना दुर्लभ है कि इसकी एक डाली पांच हजार अमेरिकी डॉलर में मिल सकती है।

कॉस्मॉस एट्रोसैन्गिनियस

ये मेक्सिको के जंगली फूल हैं। 100 साल पहले ही ये विलुप्त हो गए थे। सिर्फ एक प्रजाति का क्लोन 1902 में बनाया गया। ये फूल गर्मियों में वैनिला जैसी खुशबू देते हैं। इन्हें चॉकलेट कॉस्मॉस भी कहा जाता है।

बड़ा दिलचस्प है स्क्रैपबुक बनाना

दोस्तों, आज हम तुमसे स्क्रैपबुक के बारे में बात करेंगे। स्क्रैपबुक बनाना सिर्फ काटने और चिपकाने के काम तक ही सिमटा हुआ नहीं है। यह एक अच्छी एक्टिविटी है। इससे तुम्हारी रचनात्मकता में निखार आएगा। अगर आसान शब्दों में समझें तो स्क्रैपबुक या स्क्रैप फाइल आकर्षक व रंगीन फोटो या तस्वीरों की एक एलबम होती है। काटने और चिपकाने वाली यह मजेदार एक्टिविटी एक तरह का आर्टवर्क भी है। जितना साधारण इसे समझना है, उतना ही आसान इसे बनाना भी है। वैसे स्क्रैपबुक कई तरह की होती हैं और इनको अलग रूप देना तुम पर निर्भर है।

इस काम का फायदा

यह एक अच्छी एक्टिविटी है। फाड़ना, काटना, चिपकाना, लिखना यानी यह सिर्फ एक मजेदार कार्य ही नहीं है, बल्कि इस काम से तुम्हारी सोचने-समझने की क्षमता भी निखरती है। सोचने, समझने की शक्ति और दिमागी एक्सरसाइज से यह तुम्हारे लिए एक फायदेमंद प्रोजेक्ट हो सकता है। अच्छा होगा अगर काटने-चिपकाने-लिखने और तरह-तरह के फोटो ढूंढने का सभी काम तुम खुद करो। स्क्रैपबुक बनाना एक अच्छा क्रिएटिव आइडिया है, जो क्लास लेवल के अनुसार बदलता रहता है।

कैसे करें तैयार

इस काम के लिए तुम्हें जरूरत होगी एक रेडीमेड स्क्रैपबुक की। इसके अलावा कैंची, फेविस्टिक या फेविकोल, पेंसिल, पेन, कलरपेन और मार्कर भी तुम्हें चाहिए होंगे। यदि तुम चाहो तो रेडीमेड स्क्रैपबुक की बजाय खुद भी स्क्रैपबुक बना सकते हो। सबसे पहले टीचर द्वारा दिए गए विषय के अनुसार स्टिकर या फोटो इकट्ठा करने की तैयारी करो। इसके लिए स्टिकर्स या कट एंड पेस्ट बुक या कोई वाटं बुक शॉप से मिल जाएंगे। एक अच्छा आइडिया है अगर तुम घर पर रखे पुराने अखबार या मैगजीन से जरूरी फोटो काट लो। इसके अलावा अपनी स्क्रैपबुक में कुछ ऑरिजनल लुक देने के लिए खुद भी स्केच या ड्रॉइंग कर स्टिकर बना सकते हो। फोटो इकट्ठे करने के लिए तुम मम्मी-पापा या साथी स्टूडेंट्स की मदद ले सकते हो। स्टिकर और फोटो इकट्ठा करने के बाद बारी है स्क्रैपबुक का हर पेज सजाने की। स्टिकर्स-फोटो को सिम्पल या डिजाइन में काटकर अच्छे ढंग से चिपकाना स्क्रैपबुक को खूबसूरत लुक देने के लिए जरूरी है। ध्यान रहे कि फेविकोल से स्क्रैपबुक का कलर पेज गंदा न हो जाये। यह भी ध्यान रखो कि विषय के अनुसार ही हर पेज तैयार किया गया हो और सही जगह पर ही स्टिकर या फोटो पेस्ट की गई हो। फोटो चिपकाने के बाद बारी है हर पेज पर हैडिंग देने की। थीम के अनुसार पेज के सबसे ऊपर कहीं (दाएं-बाएं-मध्य) भी पेंसिल से लाइन खींचकर एक साफ-सुथरी हैडिंग लिखो। हैडिंग लिखने के लिए तुम कलरपेन, पेन या मार्कर का इस्तेमाल कर सकते हो। इसे स्टाइल में भी लिखा जा सकता है। यह पूरी तरह से तुम्हारे ऊपर है कि तुम सुंदर ढंग से एक अच्छी हैडिंग कैसे लिखते हो। अब स्टिकर या फोटो को नाम दो। कैप्शन लिखो। ध्यान रहे कि यह लिखने के लिए तुमने फोटो के नीचे थोड़ी जगह छोड़ी है। एक सामान्य स्क्रैपबुक में एनिमल, बर्ड्स, वेजिटेबल पेजों पर स्टिकर के नीचे नाम लिखे जाते हैं।

पर्सनल स्क्रैपबुक

स्कूल में दिये जाने वाले इस काम का एक फायदा यह भी है कि इसका आइडिया हमेशा तुम्हारे साथ रह सकता है। तुम घर पर भी अपनी पर्सनल स्क्रैपबुक बना सकते हो। तुम मम्मी-डैडी, दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाते हो। मॉल, पार्क, फन पार्क, चिड़ियाघर या छुट्टियों में कहीं शहर से बाहर जाते हो। इन सब जगहों से ली गई फोटो से तुम एक अच्छी स्क्रैपबुक बना सकते हो। यहां से मिली कई छोटी-छोटी चीजों को इकट्ठा कर स्क्रैपबुक में लगा सकते हो।

इस तरह इन खूबसूरत पलों की यादें हमेशा तुम्हारे साथ रहेंगी और इस आइडिया से तुम्हारी खुद से जुड़ी एक मौलिक (ऑरिजिनल) स्क्रैपबुक तैयार हो जाएगी। यह एक्टिविटी तुम कभी भी हफ्ते, महीने में एक बार कर सकते हो। इसलिए स्क्रैपबुक सिर्फ तुम्हारी पढ़ाई का ही हिस्सा नहीं है, बल्कि यह आगे चलकर तुम्हारी जिंदगी का भी हिस्सा बन सकती है।

समझदार किट्टू

किट्टू खरगोश, बिट्टू बन्दर, टीटू हाथी और मींकू मेढक चारों पक्के दोस्त थे। सभी एक साथ ही स्कूल जाते और एक साथ ही स्कूल से लौटते। साथ घूमना-फिरना, एक साथ रिसेज में खाना खाना और घर जाने के बाद होमवर्क भी साथ ही करना। ये उनका रोज का रूटीन था। वैसे तो सारा समय साथ ही बिताते, लेकिन पढ़ने के समय शरारतें करते। इनमें बिट्टू बन्दर का ध्यान पढ़ाई में कम ही लग पाता था। लेकिन शरारतों में सबसे आगे रहता। चारों दोस्तो में किट्टू खरगोश सबसे इंटेलिजेंट था। क्लास में जब भी कोई प्रश्न पूछा जाता, सबसे पहले किट्टू ही हाथ उठाकर जवाब देता। लेकिन उसके दिल में तीनों दोस्तों के लिए बहुत प्यार था। वह हमेशा कहता, 'देखो जब तुम लोग कहते हो तो मैं तुम्हारे साथ खेलता हूं ना, तो फिर जब मैं पढ़ने को कहता हूं तो तुम्हें भी पढ़ना चाहिए ना? मेरे प्यारे दोस्तो, क्या तुमने वो कहावत नही सुनी कि 'खेलोगे कूदोगे तो बनोगे खराब। पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब', इसलिए खेलने के समय खेलो, पर पढ़ने के समय पढ़ भी लिया करो।' लेकिन किट्टू की यह बात सुनकर टीटू हमेशा हंस देता। कहता, 'सारा दिन तो क्लास में मैडम की बात सुनकर बोर हो जाते हैं और बाहर आते ही तुम शुरू हो जाते हो'।

अचानक मींकू बीच में ही बोलता है, 'अरे यार, न्यूईयर की पार्टी में अब सिर्फ 3 या 4 दिन ही बाकी रह गए हैं, तो बताओ कि इस बार की पार्टी का क्या प्लान है।' तभी बिट्टू बन्दर उछलने लगता है। भई वाह, न्यू ईयर पार्टी में बड़ा मजा आएगा।

क्या-क्या सोचा है, इस बार पार्टी के लिए। किट्टू खरगोश फिर कहता है, भाई, पार्टी तो बाद में भी की जा सकती है। जरा ये सोचो कि एग्जाम आने वाले है। अगर हम अभी से ही पढ़ना शुरू कर दें तो हम टॉप भी कर सकते हैं। टीटू हाथी फिर बीच में आकर कहता है, अभी एग्जाम की बात नहीं होगी, पहले पार्टी, बाकी सब उसके बाद।

अब किट्टू खरगोश चुप हो जाता है और कहता है, ठीक है भाई पहले पार्टी, लेकिन इस बार पार्टी मेरे यहां नहीं रखेंगे। टीटू हाथी फटाफट बीच में बोलता है। यप्पी इस बार पार्टी मेरे यहां रखेंगे। तो तय हुआ इस बार केक के साथ पेप्सी, समोसे, चाऊमीन और बर्गर जरूर होना चाहिए। मींकू मेढक खुशी जाहिर करते हुए चिल्लाने लगता है। इस बार बड़ा मजा आने वाला है। लेकिन हां, गाना बजाना भी जरूर होना चाहिए, ठीक है। और बिट्टू बन्दर लीडर बनता हुआ कहता है, हां, जरूर होगा। अब सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता। थोड़ा सा भी समय मिलता तो तुरन्त पढ़ने लगता। लेकिन बाकी सब पढ़ाई को भूल कर न्यू ईयर की तैयारी में बिजी चल रहे थे। अब न्यू ईयर की ईवनिंग आती है। बिट्टू बन्दर बड़ा खुश होता है। आज तो पार्टी है,ये सोचकर बार-बार मींकू मेढक को फोन करके पूछता रहता है, मैं कौन-सी शर्ट पहनूं और खूब तैयारियां करता है। मींकू भी पार्टी को लेकर बड़ा एक्साइटेड होता है। वहीं किट्टू खरगोश अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर लगाता है।

शाम को सब टीटू हाथी के घर इकट्ठा होते हैं। थोड़ी ही देर में पार्टी भी शुरू हो जाती है। बिट्टू बंदर खूब डांस करता है। जब सारे दोस्त मस्ती कर रहे होते हैं तो किट्टू वहीं बैठकर यह सोचता है कि इस बार यूनिट टेस्ट में इन सबका क्या होगा, क्योंकि पार्टी के चक्कर में इन्होंने तैयारी तो की ही नहीं है। किट्टू खरगोश यह सोचते हुए ही वहां से निकल जाता है और घर पहुंचकर पढ़ना शुरू कर देता है। अगले दिन यूनिट टेस्ट होता है। सभी पेपर देते हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्त उदास हो जाते हैं। पेपर देखकर उन्हें समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें। उनका पेपर देखकर मैडम भी उन्हें खूब डांटती हैं और कहती हैं, 'तुम्हारा ध्यान पढ़ने में बिल्कुल नहीं है। क्या तुम्हें नहीं पता था कि आज पेपर है। अपने दोस्त किट्टू से कुछ सीखो, वो कितना समझदार है। उसने पूरा पेपर किया है'। अपने दोस्तों को डांट पड़ती देख किट्टू को बहुत बुरा लगता है। कुछ दिन बाद ही रिजल्ट आता है। मैडम किट्टू को शाबाशी देते हुए कहती हैं, 'तुमने टॉप किया है बेटा, वेलडन।' मैडम सभी बच्चों को रिजल्ट दे देती हैं, लेकिन किट्टू के तीनों दोस्तों को नहीं देतीं। उन्हें पेरेंट्स को बुलाने को कहती हैं। यह सुनकर सभी डर जाते हैं। किट्टू के रिक्वेस्ट करने पर मैडम बताती हैं कि तीनों फेल हो गए हैं। किट्टू बहुत उदास होता है और खुशी भुलाकर दोस्तों को दिलासा देते हुए कहता है, 'कोई बात नहीं दोस्तो, इस बार अच्छे से मेहनत करना और तुम ही टॉप करना। लेकिन मुझे बहुत दुख हुआ है।' इसके बाद से किट्टू के तीनों दोस्त सुधर गए और वो भी किट्टू की ही तरह पढ़ाई में ध्यान लगे। फिर तो तीनों में यह शर्त लगती थी कि कौन फर्स्ट आएगा और कौन सेकेंड।

सारे दोस्त पार्टी की तैयारियों में बिजी हो जाते हैं। कोई डेकोरेशन की तैयारियों में बिजी, तो कोई खाने के सामान की जिम्मेदारी लेता है। लेकिन किट्टू खरगोश बड़ा समझदार होता है। वो सिर्फ केक लाने की जिम्मेदारी लेता है, जिसमें ज्यादा समय न खराब हो सके। वो अपने बाकी दोस्तों की तरह अपना सारा ध्यान पार्टी में लगाता।